दैनिक जागरण dt 24/11/2019 p-IV mg

समृद्ध साहित्य की पांच दिवसीय धरोहर सजने को तैयार है। जहां पग-पग पर साहित्य की खुशबू होगी। एक नए साहित्य का सृजन करेगी। जिसका हमारी सभ्यता व संस्कृति से अन्योन्याश्रय संबंध रहा है। कविता...कहानियां...उपन्यास...संस्मरण...आत्मकथा... रिपोतार्ज...गोष्ठी और सम्मेलनों की एक माला सी गुथी है। जिसके फूल भले पुराने से लगते हैं, पर खुशबू उनकी आज भी ताजी है। ज्ञान और अनुभवों के इन मोतियों से सजे साहित्योत्सव में युवाओं के लिए साहित्य के संस्कार होंगे तो साहित्य जगत के लिए इस उत्सव के कई मायने होंगे। वक्त की मुतालबा भी है ऐसे उत्सवों से साहित्य की जमीं ऊर्जावान हो...पल्लवित हो...।

ये है वर्ष 2018 में प्रकाशित किताबों का खजाना

उत्सव की तैयारी

साहित्य को सींच रहे ज्ञान महोत्सव

साहित्य की जमीं पर बीते वर्ष कितने बीज अंकुरित है... कितनी फलित हुई, ऊर्जावान हुई, कितनी समृद्ध हुई यह सब तस्वीरें बयां करेंगी। हर झलक खास होगी। इस प्रदर्शनी में विविध कार्यक्रमों में किस साहित्यकार को सम्मान से नवाजा गया, उस कार्यक्रम से जुड़ी उनकी दिलचस्प यादें और कहानियां देख-जान सकेंगे। अकादमी द्वारा देश के 20 से ज्यादा शहरों में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम 'ग्रामलोक' की झलकियां भी अपने-आप में अद्भुत होंगी। ग्रामलोक कड़ी में अकादमी द्वारा हिंदी, हरियाणवी, भोजपुरी, मैथिली, संथाली, बंगाली और मणिपुरी समेत 24 भाषाओं में कार्यक्रमों के आयोजन की तस्वीरें भाषा को समृद्ध करने में अकादमी की भूमिका बयां करेंगी, जो लोक सिनेमा के दीवाने हैं, लेकिन जून 2018 में दिल्ली में आयोजित 'डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल' में नहीं पहुंचा पाए वे तस्वीरों के माध्यम से उसे महसूस कर सकेंगे। साहित्य अकादमी पुरस्कार 2018 के सभी विजेताओं को प्रदर्शनी में तस्वीरों और उनकी प्रसिद्ध पंक्तियों के माध्यम से जानना भी आगंतुकों के लिए खास अनुभव रहेगा।

दस सत्रों में गांधी : महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर समारोह में 'भारतीय साहित्य में गांधी' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आगंतुकों को गांधी के विचारों से अवगत होने का मौका देगी। दस सत्रों में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में गांधी के अनेक रूप को जान-समझ सकेंगे। 21वीं सदी में गांधीवादी मूल्य की क्या अहमियत है, दलित आंदोलन में गांधी की क्या भूमिका रही, साहित्य जगत पर गांधी के विचारों ने क्या और कैसा प्रभाव डाला इससे तो रूबरू होंगे ही साथ ही यह भी जान सकेंगे कि अमेरिकी लेखक गांधी को किस नजरिये से देखते हैं। विश्व की आत्मकथाओं में गांधी कहां हैं और फिल्मों व नाटकों में गांधी के चरित्र का किस तरह वर्णन किया गया है। इन तमाम विषयों पर शिक्षाविद् अपनी बात रखेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सजेगी महफिल : साहित्योत्सव पर रवींद्र भवन का पूरा परिसर उत्सव के रंग में रंगा नजर आएगा। मेघदूत का कलात्मक परिवेश जहां नृत्य, संगीत समेत सांस्कृतिक गतिविधियों की मेजबानी करेगा, वहीं देशभर के साहित्यकारों की उपस्थिति वातावरण को जीवंत बनाएगी। प्रख्यात लेखक व शिक्षाविद् मृणाल मिरी के हाथों पुस्तक प्रदर्शनी व तस्वीर प्रदर्शनी से समारोह का आगाज होगा।

प्रस्तुति : हंस राज

साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2018 में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियों पर आधारित प्रदर्शनी देखते साहित्यकार

पहली बार होगा 'ट्रांसजेंडर कवि सम्मेलन'

वार्षिक साहित्योत्सव में इस बार 'ट्रांसजेंडर कवि सम्मेलन' नई कड़ी के रूप में जुड़ रहा है। जहां मंच पर वे अपने अनुभव, कल्पना और सोच को शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त करेंगे। पहली बार कोलकाता में 17 जुलाई, 2018 को 'ट्रांसजेंडर कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया था, जिसमें ट्रांसजेंडर कवियों ने अपनी व्यथा के साथ-साथ देश के प्रति भावना व्यक्त की थी। उन्होंने अपनी कविताओं में एक पत्नी की मृत्यु से लेकर अलगाव और असली महिला तक को केंद्र में रखा था। यहां भी इस मंच पर एक बार फिर कुछ ऐसे ही अनुभवों से रूबरू कराएंगे। दरअसल इस कवि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य तीसरे लिंग के लोगों को साहित्य से जोड़ना है।

आयोजन : साहित्य अकादमी साहित्योत्सव-2019
कब : 28 जनवरी से 2 फरवरी तक
स्थान : साहित्य अकादमी, रवींद्र भवन, 35, फिरोजशाह मार्ग, नई दिल्ली
समय : सुबह 10 बजे से
प्रवेश : नि:शुल्क

साहित्योत्सव में राजधानी ही नहीं, देशभर के साहित्यकार जुटेंगे। हजारों की संख्या में पहुंचने वाले साहित्य प्रेमी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि साहित्य को समृद्ध करने में अकादमी किस तरह सक्रिय है। प्रदर्शनी को समारोह की प्रमुख गतिविधि के तौर पर तैयार किया जाता है।

के श्रीनिवासराव, सचिव, साहित्य अकादमी